आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 31.12.2024 समय : 1905

- पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने अंडमान लक्षद्वीप बंदरगाह निर्माण कार्य के कार्यालय का दौरा किया।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्पैडेक्स मिशन के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो के वैज्ञानिकों की सराहना की।
- भारतीय तटरक्षक द्वारा राजस्व अधिकारियों के लिए क्षेत्रीय स्तर के प्रदूषण प्रतिक्रिया अभ्यास के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- तमाम यादों के साथ वर्ष दो हजार चौबीस आज विदा हो रहा है।
- जलयान सिंधु दो जनवरी को श्री विजयपुरम से चेन्नई जाएगा।

<><><><><><><>

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने कल अंडमान लक्षद्वीप बंदरगाह निर्माण कार्य के कार्यालय का दौरा किया। दौरे के दौरान उन्होंने द्वीपसमूह में बंदरगाह के बुनियादी ढांचे के विकास में ए एल एच डब्लू के कार्य और इसकी भूमिका की समीक्षा की। कार्यालय की ओर से पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से चल रही परियोजनाओं की प्रगति को रेखांकित किया गया। राज्य मंत्री ने इन परियोजनाओं को समय से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने द्वीपसमूह में लैंडिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने, पी पी पी मोड के माध्यम से सभी प्रमुख परियोजनाओं को लागू करने, एक जहाज मरम्मत केन्द्र स्थापित करने, पर्यटन स्थलों पर फ्लोटिंग जेट्टी बनाने जैसे मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस बीच, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर आज अपने दो दिवसीय दौरे पर कैम्पबेल बे पहुंचे। वहां भाजपा के नेताओं ने उनका स्वागत किया। राज्य मंत्री मगरनाला तट गए और पक्षी अवलोकन भी किया। कल राज्य मंत्री कैम्पबेल बे जेट्टी, ब्रेकवाटर जेट्टी और गलाथिया नदी का दौरा करेंगे।

<><><><><><><><>

केन्द्रीय परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि वर्ष दो हजार चौबीस, भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा है। नई दिल्ली में आज मीडिया को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि वर्ष दो हजार चौबीस का पहला दिन एक्सपोसैट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुआ, और फिर आदित्य एल वन मिशन को उसकी लक्षित हेलो कक्षा में स्थापित किया गया। इसके बाद अगस्त में पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया और कल इसरो द्वारा स्पैडेक्स मिशन शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष गगनयान मिशन के लिए भी कई परीक्षण हुए हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि परीक्षण लगभग पूरे हो चुके हैं और अगले वर्ष किसी भी समय एक महिला रोबोट के साथ इसकी ड्रेस रिहर्सल होगी। श्री सिंह ने कहा कि डॉकिंग तकनीक के लिए स्पैडेक्स मिशन भारत द्वारा किए गए पहले प्रयोगों में से एक है। अंतरिक्ष डॉकिंग प्रणाली का उपयोग गगनयान और भारत के अंतरिक्ष स्टेशन कार्यक्रम के बाद के चरणों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के मंत्र के अनुरूप है। डॉ. सिंह ने स्पैडेक्स मिशन की सफलता से एक बार फिर देश को गौरवान्वित करने के लिए टीम इसरो को बधाई दी।

<><><><><><><><>

भारतीय तटरक्षक द्वारा राजस्व अधिकारियों के लिए क्षेत्रीय स्तर के प्रदूषण प्रतिक्रिया अभ्यास के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। अभ्यास का उद्देश्य समुद्री प्रदूषण की घटनाओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और समन्वय को बढ़ावा देने में राजस्व अधिकारियों की भूमिका पर बल देना था। यह कार्यक्रम विज्ञान केन्द्र के निकट और जेट्टी क्षेत्र के पास आयोजित हुआ। प्रतिभागियों को विभिन्न चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए यह प्रशिक्षण दिया गया। अभ्यास के दौरान भारतीय तटरक्षक जहाज विजित पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजस्व अधिकारियों को तेल रिसाव से निपटने और इसके पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने तेल रिसाव की रोकथाम के लिए आधुनिक उपकरणों के प्रदर्शन और समुद्री प्रदूषण की आपात स्थितियों पर जानकारी दी।

<><><><><><><><>

तमाम यादों के साथ वर्ष दो हजार चौबीस आज विदा हो रहा है और नया वर्ष दो हजार पच्चीस नई उम्मीदों और नई आशाओं के साथ आने वाला है। साल दो हजार चौबीस की प्रमुख घटनाओं पर नज़र डाले, तो इस साल देश के साथ अंडमान निकोबार द्वीपसमूह ने भी कई उपलब्धियां हासिल की। पेश है एक

<><><><><><><><>

जलयान सिंधु दो जनवरी को श्री विजयपुरम से चेन्नई जाएगा। अतिरिक्त सामान की जांच कल दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक की जाएगी। यात्रियों को जहाज पर चढ़ाने का कार्य दो जनवरी को सुबह आठ बजे से किया जाएगा। जहाज दिन में दस बजे हैडो जेट्टी से छूटेगा।

<><><><><><><>

मध्योत्तर अंडमान ज़िला टी बी अधिकारी डॉ. प्रबीर कुमार पालित ने कल प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कदमतला का दौरा किया। दौरे के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की गतिविधियों के कार्यान्वयन की निगरानी की। उन्होंने प्रयोगशाला सुविधाओं का निरीक्षण किया और संभावित टी बी जांच के लिए बलगम रेफरल के बारे में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के साथ चर्चा की। बाद में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के सम्मेलन कक्ष में टी बी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य अधिकारी और लोगों को टी बी के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रबीर कुमार पालित ने टी बी के लक्षणों, संक्रमण के तरीकों, रोकथाम रणनीतियों, निक्षय पोषण और निक्षय मित्र की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कुल चौवन प्रतिभागियों ने भाग लिया। ज़िला टी बी अधिकारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बाराटांग का भी दौरा कर प्रयोगशाला की समीक्षा की।

<><><><><><><>

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड–सीबीडीटी ने विवाद से विश्वास योजना की समय सीमा आज से बढ़ाकर अगले वर्ष इक्कतीस जनवरी तक कर दी है। इससे करदाताओं को योजना में निर्दिष्ट देय राशि निर्धारित करने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। बजट में घोषित योजना का उद्देश्य करदाताओं को आयकर विभाग के साथ विवादों को सुलझाने में मदद करना है। इससे करदाताओं को एक निर्दिष्ट प्रतिशत के साथ विवादित राशि का भुगतान करके अपनी बकाया कर देनदारियों का निपटान करने में मदद मिलेगी।

<><><><><><><>

पी एम उषा योजना के तहत महात्मा गांधी कॉलेज, मायाबंदर में विभिन्न ट्रेडो में निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक उम्मीदवार और स्थानीय क्षेत्र के बेरोज़गार युवा, पच्चीस जनवरी तक निर्धारित प्रपत्र में अपना नाम कॉलेज के प्राचार्य के पते पर सीधे या ई–मेल के जरिए भेज सकते हैं।

<><><><><><><>